MA Sanskrit

C-446

14P/242/4 Question Booklet No.....

(To be filled up by the candidate by blue/black ball-point pen)

Roll No. | | | | | | | | | |

Roll No.
(Write the digits in words) .....

Serial No. of OMR Answer Sheet .....

Day and Date ....
(Signature of Invigilator)

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

(Use only **blue/black ball-point pen** in the space above and on both sides of the Answer Sheet)

1. Within 10 minutes of the issue of the Question Booklet, check the Question Booklet to ensure that it contains all the pages in correct sequence and that no page/question is missing. In case of faulty Question Booklet bring it to the notice of the Superintendent/Invigilators immediately to obtain a fresh Question Booklet.
2. Do not bring any loose paper, written or blank, inside the Examination Hall *except the Admit Card without its envelope.*
3. A separate Answer Sheet is given. *It should not be folded or mutilated. A second Answer Sheet shall not be provided. Only the Answer Sheet will be evaluated.*
4. Write your *Roll Number and Serial Number of the Answer Sheet by pen* in the space provided above.
5. **On the front page of the Answer Sheet, write by pen your Roll Number in the space provided at the top, and by darkening the circles at the bottom. Also, wherever applicable, write the Question Booklet Number and the Set Number in appropriate places.**
6. No overwriting is allowed in the entries of Roll No., Question Booklet No. and Set No. (if any) on OMR sheet and also Roll No. and OMR Sheet No. on the Question Booklet.
7. Any change in the aforesaid entries is to be verified by the invigilator, otherwise it will be taken as unfair means.
8. Each question in this Booklet is followed by four alternative answers. *For each question, you are to record the correct option on the Answer Sheet by darkening the appropriate circle* in the corresponding row of the Answer Sheet, by ball-point pen as mentioned in the guidelines given on the first page of the Answer Sheet.
9. For each question, darken only one circle on the Answer Sheet. If you darken more than one circle or darken a circle partially, the answer will be treated as incorrect.
10. *Note that the answer once filled in ink cannot be changed.* If you *do not wish to attempt* a question, leave all the circles in the corresponding row blank (such question will be awarded zero mark).
11. For rough work, use the inner back page of the title cover and the blank page at the end of this Booklet.
12. Deposit *only the OMR Answer Sheet* at the end of the Test.
13. You are not permitted to leave the Examination Hall until the end of the Test.
14. If a candidate attempts to use any form of unfair means, he/she shall be liable to such punishment as the University may determine and impose on him/her.

(उपर्युक्त निर्देश हिन्दी में अन्तिम आवरण-पृष्ठ पर दिये गए हैं)

(No. of Printed Pages : 28+2

collegedunia
India's largest Student Review Platform

collegedunia
India's largest Student Review Platform

No. of Questions/प्रश्नों की संख्या : 150

Time/समय : 2 Hours/घण्टे

Full Marks/पूर्णांक : 450

Note : (1) Attempt as many questions as you can. Each question carries 3 marks. **One** mark will be deducted for each incorrect answer. Zero mark will be awarded for each unattempted question.

अधिकाधिक प्रश्नों को हल करने का प्रयत्न करें। प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है। प्रत्येक गलत उत्तर के लिए एक अंक काटा जाएगा। प्रत्येक अनुत्तरित प्रश्न का प्राप्तांक शून्य होगा।

(2) If more than one alternative answers seem to be approximate to the correct answer, choose the closest one.

यदि एकाधिक वैकल्पिक उत्तर सही उत्तर के निकट प्रतीत हों, तो निकटतम सही उत्तर दें।

1. माण्डूक्य शाखा is related to

माण्डूक्य शाखा से सम्बन्धित है

(1) ऋग्वेद (2) यजुर्वेद (3) सामवेद (4) अथर्ववेद

2. पद-पाठ-कार of the Rgveda is

ऋग्वेद के पद-पाठ-कार हैं

(1) शाकल्य (2) याज्ञवल्क्य (3) भरद्वाज [illegible]

collegedunia
India's largest Student Review Platform

3. ऐतरेय ब्राह्मण belongs to the
ऐतरेय ब्राह्मण से सम्बद्ध है
(1) ऋग्वेद (2) यजुर्वेद (3) सामवेद (4) अथर्ववेद

4. असुर is the another epithet of
असुर शब्द किसका दूसरा अर्थ है?
(1) रुद्र (2) वरुण (3) पृथिवी (4) अग्नि

5. Which is the deity described in the first hymn of Second Mandal of Ṛgveda?
ऋग्वेद के द्वितीय मण्डल के प्रथम सूक्त के देवता हैं
(1) वरुण (2) रुद्र (3) अग्नि (4) इन्द्र

6. काण्वशाखा belongs to the
काण्वशाखा से सम्बन्धित है
(1) कृष्णयजुर्वेद (2) सामवेद (3) शुक्लयजुर्वेद (4) अथर्ववेद

7. The Vedic commentary of स्वामी करपात्रीजी is on
स्वामी करपात्रीजी का भाष्य है
(1) ऋग्वेद पर (2) शुक्ल यजुर्वेद पर (3) सामवेद पर (4) अथर्ववेद पर

8. To which Sūkta of Ṛgveda belongs—"कस्यनूनं कतमस्यामृतानाम् मनामहे चारुदेवस्य नाम" ?
"कस्यनूनं कतमस्यामृतानाम् मनामहे चारुदेवस्य नाम"—यह मन्त्र ऋग्वेद के किस सूक्त से सम्बद्ध है?
(1) सूर्य (2) उषा (3) वरुण (4) इन्द्र

collegedunia
India's largest Student Review Platform

9. To which Sūkta of Ṛgveda belongs—"इन्द्रेषिते प्रसवं भिक्षमाणे अच्छा समुद्रं रथ्येव याथः" ?

"इन्द्रेषिते प्रसवं भिक्षमाणे अच्छा समुद्रं रथ्येव याथः"—से सम्बन्धित सूक्त है

(1) विश्वामित्र नदी संवाद
(2) रुद्र
(3) वरुण
(4) सविता

10. The Suffix in जीवसे is

जीवसे में प्रत्यय है

(1) असे
(2) तवै
(3) तवे
(4) मने

11. "वृषायमाणोऽवृणीत सोमम्"—belongs to the Sūkta of

"वृषायमाणोऽवृणीत सोमम्"—से सम्बन्धित सूक्त है

(1) रुद्र
(2) पर्जन्य
(3) अग्नि
(4) इन्द्र

12. "अवस्यूमेव चिन्वती"—explains the distincts of

"अवस्यूमेव चिन्वती"—का वर्णनीय विषय है

(1) वरुण
(2) उषा
(3) अग्नि
(4) नदी

13. "माताभूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः"—is read in the Sūkta of

"माताभूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः"—से सम्बन्धित सूक्त है

(1) पृथिवी सूक्त
(2) हिरण्यगर्भ सूक्त
(3) रुद्र सूक्त
(4) [illegible]

collegedunia
India's largest Student Review Platform

14. "य आत्मदा बलदा"—is read in the Sūkta of
"य आत्मदा बलदा"—से सम्बन्धित सूक्त है

(1) पृथिवी सूक्त (2) अग्नि सूक्त (3) हिरण्यगर्भ सूक्त (4) वरुण सूक्त

15. "तवल्कार आरण्यक"—belongs to the
"तवल्कार आरण्यक"—से सम्बन्धित है

(1) ऋग्वेद (2) यजुर्वेद (3) सामवेद (4) अथर्ववेद

16. "प्रौढ़ ब्राह्मण"—belongs to the
"प्रौढ़ ब्राह्मण"—से सम्बन्धित है

(1) सामवेद (2) अथर्ववेद (3) यजुर्वेद (4) ऋग्वेद

17. आत्मानन्द wrote a commentary on
आत्मानन्द ने जिस पर भाष्य लिखा, वह है

(1) शिवसंकल्प सूक्त (2) इन्द्र सूक्त (3) वरुण सूक्त (4) अस्यवामीय सूक्त

18. How many Kandas are in शतपथ ब्राह्मण ?
शतपथ ब्राह्मण में काण्डों की संख्या है

(1) 10 (2) 12 (3) 14 (4) 15

19. The meaning of सन्तान in the context of Vedic studies is
वैदिक अध्ययन के सन्दर्भ में सन्तान का अर्थ है

(1) पद (2) अर्थ (3) संहिता (4) व्याकरण

collegedunia
India's largest Student Review Platform

20. The meaning of महित्वा is

महित्वा का अर्थ है

(1) महिमा से (2) पृथिवी से (3) पूजा से (4) ज्ञान से

21. "गव्यवः" is used in the sense of

"गव्यवः" का अर्थ है

(1) भरतवंशीय (2) पवमान (3) गोदुग्ध (4) जानेवाला

22. नासदीय सूक्त is counted as a

नासदीय सूक्त है एक

(1) विवाह सूक्त (2) श्रद्धा सूक्त (3) सौमनस्य सूक्त (4) दार्शनिक सूक्त

23. शिवसंकल्प सूक्त of शुक्लयजुर्वेद is found in the अध्याय

शुक्लयजुर्वेदीय शिवसंकल्प सूक्त का अध्याय है

(1) 34 (2) 30 (3) 40 (4) 20

24. What is the contextual meaning of स्वरव: ?

स्वरव: का प्रासंगिक अर्थ है

(1) ग्रह (2) पात्र (3) हवि (4) यज्ञीय यूप

25. [illegible] has been a commentator of the Veda of

[illegible] ने जिस वेद की व्याख्या की है, वह है

(1) अथर्ववेद (2) सामवेद (3) यजुर्वेद (4) [illegible]

collegedunia
India's largest Student Review Platform

26. सामगान is performed on the Veda

सामगान का जिस वेद पर गायन किया जाता है, वह वेद है

(1) यजुर्वेद (2) ऋग्वेद (3) अथर्ववेद (4) शुक्लयजुर्वेद

27. जैमिनि belonged to the school of

जैमिनि से सम्बन्धित वेद है

(1) अथर्ववेद (2) आयुर्वेद (3) सामवेद (4) यजुर्वेद

28. तन्मे मनः शिवसंकल्पमस्तु is read in the Sūkta of

तन्मे मनः शिवसंकल्पमस्तु से सम्बन्धित सूक्त है

(1) विष्णु सूक्त (2) अग्नि सूक्त (3) शिवसंकल्प सूक्त (4) पवमान सूक्त

29. मैत्रायणी संहिता is a branch of

मैत्रायणी संहिता से सम्बन्धित है

(1) ऋग्वेद (2) शुक्लयजुर्वेद (3) कृष्णयजुर्वेद (4) अथर्ववेद

30. "इन्द्रियनित्यं वचनमौदुम्बरायणः" is read in

"इन्द्रियनित्यं वचनमौदुम्बरायणः" का पाठ जिसमें है, वह ग्रन्थ है

(1) वाक्यपदीय (2) महाभाष्य (3) निरुक्त (4) अष्टाध्यायी

31. How many प्रश्न are in बौधायन धर्मसूत्र?

बौधायन धर्मसूत्र में प्रश्नों की संख्या है

(1) तीन (2) पाँच (3) चार (4) छह

collegedunia
India's largest Student Review Platform

32. "तृतीयः शिष्टागमः" is read in

"तृतीयः शिष्टागमः" का उल्लेख जिसमें है, वह ग्रन्थ है

(1) याज्ञवल्क्यस्मृति (2) बौधायन धर्मसूत्र (3) मनुस्मृति (4) गौतम धर्मसूत्र

33. According to Acharya Yaska, the number of भावविकार are

आचार्य यास्क के अनुसार भावविकारों की संख्या है

(1) पाँच (2) छह (3) आठ (4) सात

34. Where is found the maxim "कुर्वन्नेवेहकर्माणि"?

कुर्वन्नेवेहकर्माणि का उल्लेख कहाँ है?

(1) कठोपनिषद् (2) भगवद्गीता (3) मनुस्मृति (4) ईशावास्योपनिषद्

35. आश्वल is a branch of

आश्वल जिस वेद की शाखा है, वह है

(1) शुक्लयजुर्वेद (2) ऋग्वेद (3) अथर्ववेद (4) सामवेद

36. पैप्पलाद शाखा was found in the Script of

पैप्पलाद शाखा जिस लिपि में प्राप्त हुई थी, उसका नाम है

(1) देवनागरी (2) मलयालम (3) खरोष्ठी (4) शारदा

37. According to the गोपथ ब्राह्मण, सर्पवेद is a उपवेद of

गोपथ ब्राह्मण के अनुसार सर्पवेद जिसका उपवेद है, वह है

(1) अथर्ववेद (2) सामवेद (3) ऋग्वेद (4) [redacted]

collegedunia
India's largest Student Review Platform

38. दैवतब्राह्मण belongs to the

दैवतब्राह्मण से सम्बन्धित वेद का नाम है

(1) शुक्लयजुर्वेद (2) सामवेद (3) अथर्ववेद (4) ऋग्वेद

39. The relation of महीधरभाष्य is with

महीधरभाष्य से सम्बन्धित वेद है

(1) ऋग्वेद (2) शुक्लयजुर्वेद (3) अथर्ववेद (4) सामवेद

40. पारस्करगृह्य सूत्र belongs to the

पारस्करगृह्य सूत्र जिस वेद का है, वह वेद है

(1) ऋग्वेद (2) शुक्लयजुर्वेद (3) सामवेद (4) अथर्ववेद

41. रथन्तर is a kind of

रथन्तर जिसका प्रकार है, वह है

(1) सामगान (2) यज्ञ (3) स्तुति (4) रथस्तुति

42. मशक सूत्र is related with

मशक सूत्र से सम्बन्धित वेद है

(1) ऋग्वेद (2) यजुर्वेद (3) सामवेद (4) अथर्ववेद

43. ब्रह्मा सर्वविद्यः सर्वं वेदितुमर्हति is found in

ब्रह्मा सर्वविद्यः सर्वं वेदितुमर्हति का जहाँ उल्लेख है, वह ग्रन्थ है

(1) मनुस्मृति (2) शतपथ ब्राह्मण (3) निरुक्त (4) ईशोपनिषद्

collegedunia
India's largest Student Review Platform

44. पैप्पलाद शाखा is of

पैप्पलाद शाखा किस वेद की है, वह है

(1) सामवेद (2) यजुर्वेद (3) ऋग्वेद (4) अथर्ववेद

45. The Seer of the fourth मंडल is

चतुर्थ मंडल के ऋषि हैं

(1) वामदेव (2) गृत्समद (3) भरद्वाज (4) वसिष्ठ

46. 'इषे' is pronounced as

'इषे' पद में जो स्वर है, वह है

(1) आद्युदात्त (2) मध्योदात्त (3) अन्तोदात्त (4) सर्वोदात्त

47. The sentence 'अग्निर्वैदेवानामवमः' is found in

'अग्निर्वैदेवानामवमः' का किसमें उल्लेख है, वह है

(1) शतपथ ब्राह्मण (2) ऐतरेय ब्राह्मण (3) गोपथ ब्राह्मण (4) छान्दोग्य ब्राह्मण

48. The popular 'शुनः शेपाख्यान' is found in

प्रसिद्ध 'शुनः शेपाख्यान' किसमें मिलता है, वह वेद है

(1) ऋग्वेद (2) शुक्लयजुर्वेद (3) सामवेद (4) अथर्ववेद

49. केनोपनिषद् belongs to

केनोपनिषद् से सम्बन्धित वेद है

(1) [illegible] (2) [illegible] (3) ऋग्वेद (4) [illegible]

collegedunia
India's largest Student Review Platform

50. Which is the Veda that appears in prose-form?

गद्यात्मक वेद कौन है?

(1) सामवेद (2) यजुर्वेद (3) ऋग्वेद (4) शतपथ ब्राह्मण

51. Which is School of Veda that keeps two Brahmana with half similar name?

वह कौन-सा वेद है जिसके दो ब्राह्मण लगभग समान नाम वाले हैं?

(1) ऋग्वेद (2) शुक्लयजुर्वेद (3) कृष्णयजुर्वेद (4) सामवेद

52. Who is the writer of प्राचीन भारतीय सामाजिक धर्म ?

प्राचीन भारतीय सामाजिक धर्म के लेखक हैं

(1) डॉ० वी० के० वर्मा (2) डॉ० मण्डन मिश्र

(3) डॉ० वाचस्पति त्रिपाठी (4) डॉ० श्री किशोर मिश्र

53. In which वेदांग the धर्मसूत्र is counted?

धर्मसूत्र को जिस वेदांग में गिना जाता है, वह है

(1) निरुक्त (2) छन्द (3) कल्प (4) व्याकरण

54. यम-यमी संवाद सूक्त is read in

यम-यमी संवाद सूक्त वाला वेद है

(1) अथर्ववेद (2) पुराण (3) सामवेद (4) ऋग्वेद

collegedunia
India's largest Student Review Platform

55. पुरुरवा-उर्वशी संवाद belongs to

पुरुरवा-उर्वशी संवाद से सम्बन्धित वेद है

(1) ऋग्वेद (2) यजुर्वेद (3) सामवेद (4) अथर्ववेद

56. गुणविष्णु has been a commentator of

गुणविष्णु ने किस पर भाष्य लिखा है, वह ग्रन्थ है

(1) ऐतरेय ब्राह्मण (2) छान्दोग्य ब्राह्मण (3) शतपथ ब्राह्मण (4) गोपथ ब्राह्मण

57. How many अधिकरण are there?

अधिकरण कितने हैं?

(1) पाँच (2) छह (3) सात (4) सोलह

58. अनुमान in तर्कसंग्रह is divided into

तर्कसंग्रह में अनुमान के प्रकार हैं

(1) तीन (2) चार (3) दो (4) पाँच

59. How many गुण are assumed in माया ?

माया में कितने गुण कल्पित हैं?

(1) तीन (2) चार (3) आठ (4) चौबीस

60. According to तर्कसंग्रह, स्नेह resides in

तर्कसंग्रह के अनुसार स्नेह की वृत्ति किसमें है, वह है

(1) जल (2) तेज (3) वायु (4) [redacted]

collegedunia
India's largest Student Review Platform

61. The theory of पञ्चीकरण is the subject of
पञ्चीकरण का सिद्धान्त निरूपण करने वाला ग्रन्थ है

(1) सांख्यकारिका (2) वेदान्तसार (3) तर्कसंग्रह (4) जैनदर्शनसार

62. पुरुष बहुत्व has been described in
पुरुष बहुत्व का साधक ग्रन्थ है

(1) वेदान्तसार (2) तर्कसंग्रह (3) सांख्यकारिका (4) अर्थसंग्रह

63. तर्कसंग्रह accepts
तर्कसंग्रह स्वीकार करता है

(1) तीन प्रमाण (2) चार प्रमाण (3) छह प्रमाण (4) एक प्रमाण

64. तत्त्वमसि is found in
तत्त्वमसि का उल्लेख जिसमें मिलता है, वह है

(1) बृहदारण्यकोपनिषद् (2) कठोपनिषद् (3) छान्दोग्योपनिषद् (4) ईशोपनिषद्

65. How many प्रमाणs have been accepted in सांख्यकारिका ?
सांख्यकारिका ने जिन प्रमाणों को स्वीकार किया है, वे

(1) तीन हैं (2) चार हैं (3) पाँच हैं (4) छह हैं

66. In सांख्यकारिका जड़ is
सांख्यकारिका में जड़तत्त्व है

(1) पुरुष (2) प्रकृति (3) दोनों (4) कोई नहीं

collegedunia
India's largest Student Review Platform

67. What is the meaning of आनुश्रविक: in the context of सांख्यकारिका ?

सांख्यकारिका में आनुश्रविक: का क्या अर्थ है?

(1) पुराण (2) गुरुवाक्य (3) स्मृति (4) वेद

68. "अभिमानोऽहङ्कार:" is the definition of

अभिमानोऽहङ्कार: जिसका लक्षण है, वह है

(1) बुद्धि (2) प्रकृति (3) अहङ्कार (4) मन

69. आसुरि belonged to the School of

आसुरि किस दर्शन से सम्बद्ध थे, वह है

(1) न्याय (2) वेदान्त (3) मीमांसा (4) सांख्य

70. प्रमेयसिद्धि प्रमाणाद्धि is read in

प्रमेयसिद्धि प्रमाणाद्धि को बताने वाला ग्रन्थ है

(1) तर्कसंग्रह (2) वेदान्तसार (3) सांख्यकारिका (4) अर्थसंग्रह

71. गौडपाद commentary is on

गौडपाद भाष्य किस पर है, वह ग्रन्थ है

(1) तर्कसंग्रह (2) वेदान्तदर्शन (3) सांख्यकारिका (4) मीमांसा न्यायप्रकाश

72. How many तत्त्वs have been accepted in सांख्यकारिका ?

सांख्यकारिका में कितने तत्त्व स्वीकार किये गए हैं?

(1) 16 (2) 25 (3) 7 (4) 20

collegedunia
India's largest Student Review Platform

73. Who is the author of वेदान्तसार ?
वेदान्तसार के लेखक हैं
(1) कपिल (2) ईश्वर कृष्ण (3) सदानन्द योगी (4) गौतम

74. विद्वन्मनोरञ्जिनी टीका is related with
विद्वन्मनोरञ्जिनी टीका किस पर है, वह ग्रन्थ है
(1) अर्थसंग्रह (2) तर्कभाषा (3) तर्कसंग्रह (4) वेदान्तसार

75. "सर्वव्यवहारहेतुर्बुद्धिः ज्ञानम्" is read in
"सर्वव्यवहारहेतुर्बुद्धिः ज्ञानम्" को उल्लिखित करने वाला ग्रन्थ है
(1) सांख्यकारिका (2) वेदान्तसार (3) तर्कसंग्रह (4) जैनदर्शनसार

76. न्यायबोधिनी टीका is written by
न्यायबोधिनी टीका के लेखक हैं
(1) आचार्य शंकर (2) रामानुजाचार्य (3) वाचस्पति मिश्र (4) गोवर्धन

77. The theories of विधि-निषेध belong to Philosophy
विधि-निषेध सिद्धान्त का प्रतिपादक दर्शन है
(1) मीमांसा (2) वेदान्त (3) पुराण-शास्त्र (4) सांख्यदर्शन

78. प्रभाकर was a
प्रभाकर थे एक
(1) नैयायिक (2) मीमांसक (3) जैन दार्शनिक (4) वेदान्ती

collegedunia
India's largest Student Review Platform

79. The writer of अर्थसंग्रह कौमुदी is

अर्थसंग्रह कौमुदी के रचयिता हैं

(1) पट्टाभिराम शास्त्री (2) पं० चिन्नस्वामी (3) वाचस्पति मिश्र (4) रामेश्वर मिश्र

80. According to the सांख्यकारिका कैवल्य comes through

सांख्यकारिका के अनुसार कैवल्य प्राप्ति किससे होती है?

(1) ब्रह्म ज्ञान (2) प्रकृति-पुरुष विवेक (3) ईश्वर ज्ञान (4) प्रकृति ज्ञान

81. अहं ब्रह्मास्मि is called

अहं ब्रह्मास्मि को क्या कहा जाता है?

(1) अर्थवाद वाक्य (2) निषेध वाक्य (3) महावाक्य (4) विधिवाक्य

82. "वामदिरेव धर्मः" is found in

वामदिरेव धर्मः किस ग्रन्थ में उल्लिखित है, वह है

(1) मनुस्मृति (2) अर्थसंग्रह (3) गौतम धर्मसूत्र (4) पराशर स्मृति

83. यथार्थानुभव in तर्कसंग्रह has been called

तर्कसंग्रह यथार्थानुभव को क्या कहता है?

(1) अप्रमा (2) प्रमा (3) उपमिति (4) संशय

84. वात्स्यायन is the commentator of

वात्स्यायन ने जिस पर भाष्य लिखा है, वह ग्रन्थ है

(1) न्याय सूत्र (2) [illegible] (3) धर्म सूत्र (4) [illegible]

collegedunia
India's largest Student Review Platform

85. According to the मीमांसा दर्शन, शब्द is
मीमांसा दर्शन के अनुसार शब्द है
(1) अनित्य (2) नित्य (3) क्षणिक (4) विकार

86. मनुष्य or human being is called
मनुष्य माना जाता है
(1) स्वेदज (2) अण्डज (3) जरायुज (4) उद्भिज

87. According to the मीमांसा दर्शन भावना streams out into
मीमांसा दर्शन के अनुसार भावना के प्रकार हैं
(1) एक (2) तीन (3) चार (4) दो

88. How many kinds are of the विनियोक्त्री श्रुति ?
विनियोक्त्री श्रुति के कितने प्रकार हैं?
(1) तीन (2) चार (3) पाँच (4) छह

89. दध्ना जुहोति is an example of
दध्ना जुहोति एक विधि है, जिसे कहते हैं
(1) उत्पत्ति विधि (2) प्रयोग विधि (3) गुणविधि (4) विशिष्ट विधि

90. "अथातो धर्मजिज्ञासा" is the first aphoriam of
"अथातो धर्मजिज्ञासा" जिसका सूत्र है, वह है
(1) न्याय दर्शन (2) मीमांसा दर्शन (3) वैशेषिक दर्शन (4) सांख्य दर्शन

collegedunia
India's largest Student Review Platform

91. "सत्यमेव जयते नाऽनृतम्" is found in

"सत्यमेव जयते नाऽनृतम्" जिसमें पठित है, वह है

(1) ईशोपनिषद् (2) श्वेताश्वतरोपनिषद् (3) छान्दोग्योपनिषद् (4) मुण्डकोपनिषद्

92. "सर्वं खल्विदं ब्रह्म तज्जलमिति" is the sentence of

"सर्वं खल्विदं ब्रह्म तज्जलमिति" को बताने वाला ग्रन्थ है

(1) ईशोपनिषद् (2) कठोपनिषद् (3) छान्दोग्योपनिषद् (4) केनोपनिषद्

93. "प्रज्ञाप्रतिष्ठा प्रज्ञानं ब्रह्म" is found in

"प्रज्ञाप्रतिष्ठा प्रज्ञानं ब्रह्म" वाला उपनिषद् है

(1) बृहदारण्यकोपनिषद् (2) कठोपनिषद् (3) छान्दोग्योपनिषद् (4) प्रश्नोपनिषद्

94. "न कलञ्जं भक्षयेत्" is a

"न कलञ्जं भक्षयेत्" यह वाक्य

(1) विधिवाक्य है (2) निवर्तक वाक्य है (3) अर्थवाद वाक्य है (4) सामान्य वाक्य है

95. "योऽर्थः सहृदयश्लाघ्यः काव्यात्मेति व्यवस्थितः" has been told by

"योऽर्थः सहृदयश्लाघ्यः काव्यात्मेति व्यवस्थितः" इसे कहा है

(1) मम्मट ने (2) आनन्दवर्धन ने

(3) आचार्य विश्वनाथ ने (4) पं० राज जगन्नाथ ने

collegedunia
India's largest Student Review Platform

96. The author of मिताक्षरा is

मिताक्षरा के लेखक हैं

(1) भवभूति (2) भरत (3) विज्ञानेश्वर (4) मम्मट

97. Here in "इति हेतुस्तदुद्भवे" तत् stands for

"इति हेतुस्तदुद्भवे" में तत् पद का अर्थ है

(1) लक्षण ग्रन्थ (2) अलंकार (3) काव्य (4) रस

98. The author of "चतुर्वर्ग चिन्तामणि" has been

"चतुर्वर्ग चिन्तामणि" के लेखक का नाम है

(1) धर्मेश्वर (2) हेमाद्रि (3) रघुनाथ भट्ट (4) शूलपाणि

99. The author of धर्मकोश is

धर्मकोश के लेखक का नाम है

(1) त्रिलोचन मिश्र (2) श्रीदत्त (3) अनन्तदेव (4) रघुनन्दन

100. "संस्कृतं नाम दैवीवाक्" is the maxim of

"संस्कृतं नाम दैवीवाक्" इस सूक्ति के लेखक हैं

(1) कालिदास (2) वाल्मीकि (3) दण्डी (4) माघ

101. Which one is not written by कालिदास ?

निम्न में से कौन-सी रचना कालिदास की नहीं है?

(1) मेघदूत (2) रघुवंश महाकाव्य (3) प्रतिमा नाटक (4) कुमारसंभव

collegedunia
India's largest Student Review Platform

102. Where is found "वाच्यामोपाक्रमधिगुणे नाऽधमे [illegible]" ?

"[illegible]धिगुणे नाऽधमे लब्धकामा" किसकी उक्ति है?

(1) रघुवंश (2) कुमारसंभव (3) मेघदूत (4) ऋतुसंहार

103. Who is the author of रसप्रदीप ?

रसप्रदीप के लेखक हैं

(1) दण्डी (2) प्रभाकर (3) कृष्णशर्मा (4) पाणिनि

104. Who is the author of कुवलयानन्द ?

कुवलयानन्द के रचयिता हैं

(1) अप्पय दीक्षित (2) वाचस्पति मिश्र (3) कृष्णसुधी (4) विष्णु शर्मा

105. The author of प्रतापरुद्र यशोभूषण is

प्रतापरुद्र यशोभूषण के रचनाकार हैं

(1) गुणाढ्य (2) क्षेमेन्द्र (3) विद्यानाथ (4) विद्याधर

106. The author of आचार निर्णय is

आचार निर्णय के निर्माता हैं

(1) नागेश भट्ट (2) वेंकटेश (3) वीर राघव (4) गोपाल

107. How many सर्गs are in शिशुपालवधम् ?

शिशुपालवधम् की सर्ग-संख्या है

(1) 10 (2) 12 (3) 15 (4) [illegible]

collegedunia
India's largest Student Review Platform

108. The name of the author of आम्रपाली is

आम्रपाली की लेखिका हैं

(1) डॉ० सुषमा कुलश्रेष्ठ (2) डॉ० पुष्पा दीक्षित

(3) डॉ० दीप्ति त्रिपाठी (4) डॉ० मिथिलेश कुमारी मिश्रा

109. "शरीरभाजां भवदीयदर्शनं व्यनक्तिकाल त्रितयेऽपि योग्यताम्" is a maxim, found in

"शरीरभाजां भवदीयदर्शनं व्यनक्तिकाल त्रितयेऽपि योग्यताम्" यह सूक्ति किस ग्रन्थ में है?

(1) किरातार्जुनीयम् (2) शिशुपालवधम् (3) मेघदूतम् (4) रघुवंशम्

110. "तीर्थोदकं च वह्निश्च नान्यतः शुद्धिमर्हतः" has been told in the favour of

"तीर्थोदकं च वह्निश्च नान्यतः शुद्धिमर्हतः" यह उक्ति किसे लक्ष्य करके कही गयी है?

(1) सीता (2) राम (3) द्रौपदी (4) दमयन्ती

111. "संग्रामाध्वरदीक्षितो नरपतिः" is found in

"संग्रामाध्वरदीक्षितो नरपतिः" यह वाक्य जिसमें है, वह ग्रन्थ है

(1) उत्तररामचरित (2) प्रतिमा नाटक (3) स्वप्नवासवदत्तम् (4) वेणीसंहारम्

112. "रजोजुषे जन्मनिसत्त्ववृत्तये" is a piece of श्लोक found in

"रजोजुषे जन्मनिसत्त्ववृत्तये" श्लोक जिसमें उपलब्ध है, वह ग्रन्थ है

(1) कादम्बरी (2) मालविकाग्निमित्र (3) हर्षचरित (4) वासवदत्ता

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

113. "जग्राह पाठ्यमृग्वेदात्" is read in

"जग्राह पाठ्यमृग्वेदात्" वाला ग्रन्थ है

(1) साहित्यदर्पण (2) नाट्यदर्पण (3) नाट्यशास्त्र (4) दशरूपक

114. "एको रसः करुण एव निमित्तभेदाद्
भिन्नः पृथक्-पृथगिवाश्रयते विवर्तान्"—is the saying of

"एको रसः करुण एव निमित्तभेदाद्
भिन्नः पृथक्-पृथगिवाश्रयते विवर्तान्"—इसके वक्ता-ग्रन्थकार हैं

(1) भवभूति (2) भट्टनारायण (3) विशाखदत्त (4) कालिदास

115. "ऋषीणां पुनराद्यानां वाचमर्थोऽनुधावति" has been said by

"ऋषीणां पुनराद्यानां वाचमर्थोऽनुधावति" के वक्ता हैं

(1) श्री लक्ष्मण (2) सीता (3) राम (4) अष्टावक्र

116. Who does say, "सत्यादप्यनृतं श्रेयो धिक्स्वर्गं नरकोऽस्तु मे"?

"सत्यादप्यनृतं श्रेयो धिक्स्वर्गं नरकोऽस्तु मे" के वक्ता हैं

(1) कर्ण (2) भीम (3) दुर्योधन (4) अश्वत्थामा

117. "जलबहुलमरीणां संगरम्" is found in

"जलबहुलमरीणां संगरम्" इस उक्ति वाला ग्रन्थ है

(1) वासवदत्ता (2) उत्तररामचरित (3) वेणीसंहार (4) [illegible]

collegedunia
India's largest Student Review Platform

118. The author of " औचित्यविचार चर्चा" is

"औचित्यविचार चर्चा" के रचयिता हैं

(1) मम्मट (2) जगन्नाथ (3) दण्डी (4) क्षेमेन्द्र

119. How many उल्लासs are in काव्यप्रकाश ?

काव्यप्रकाश में कितने उल्लास हैं?

(1) सात (2) दस (3) आठ (4) पाँच

120. " वेद एवं द्विजातीनां निःश्रेयस्करः परः" is found in

"वेद एवं द्विजातीनां निःश्रेयस्करः परः" किस ग्रन्थ में है?

(1) पराशरस्मृति (2) मनुस्मृति (3) याज्ञवल्क्यस्मृति (4) विदुरनीति

121. " प्रवृत्तं च निवृत्तञ्च द्विविधं कर्म वैदिकम्" is the saying of

"प्रवृत्तं च निवृत्तञ्च द्विविधं कर्म वैदिकम्" किसकी उक्ति है?

(1) मनु (2) याज्ञवल्क्य (3) गौतम (4) पराशर

122. " नारायणीयम्" is a work of

"नारायणीयम्" के रचनाकार हैं

(1) कणाद (2) नारद (3) नारायण भट्टत्तिरी (4) माधव

123. Who is the author of " भावना पुरुषोत्तम्" ?

"भावना पुरुषोत्तम्" के रचयिता हैं

(1) रूपगोस्वामी (2) श्रीनिवास दीक्षित (3) भवस्वामी (4) श्री कृष्णार्य

collegedunia
India's largest Student Review Platform

124. The author of "व्याकरण चन्द्रोदय" is

"व्याकरण चन्द्रोदय" के रचयिता हैं

(1) पं० [illegible] शास्त्री
(2) डॉ० कलानाथ शास्त्री
(3) डॉ० सत्यव्रत शास्त्री
(4) पं० चारुदत्त शास्त्री

125. The Suffix in नैषध्य is

नैषध्य में प्रत्यय है

(1) त्यप्
(2) ष्यञ्
(3) ण्य
(4) क्यप्

126. The Suffix applied to शुक्रियम् is

शुक्रियम् में प्रयुक्त प्रत्यय है

(1) छन्
(2) घन्
(3) घन्
(4) इयङ्

127. The word ग्रामीण: springs from

ग्रामीण: बनता है

(1) ग्राम् + खञ्
(2) ग्राम + घन्
(3) ग्राम + घञ्
(4) ग्राम + ख

128. In the word अभिषेणम्, the compound is

अभिषेणम् पद में समास है

(1) [illegible]
(2) कर्मधारय
(3) अव्ययीभाव
(4) [illegible]

129. पुष्पपुरी in Sanskrit is the name of

संस्कृत में पुष्पपुरी का अर्थ है .

(1) पावापुरी (2) पाटलिपुत्र (3) प्रयाग (4) नैमिषारण्य

130. There are six अंक in

छह अंकों वाले नाटक का नाम है

(1) उत्तररामचरित (2) वेणीसंहार (3) मुद्राराक्षस (4) मृच्छकटिक

131. "बहुगुण रमणीयो योषितां चित्तहारी" is found in

"बहुगुण रमणीयो योषितां चित्तहारी" जिसमें पाया जाता है, वह ग्रन्थ है

(1) हितोपदेश (2) नीतिशतक (3) ऋतुसंहार (4) अभिज्ञानशाकुन्तलम्

132. "तपसा मनसा वाग्भिः पूजिता बलिकर्मभिः।
तुष्यन्ति शमिना नित्यं देवताः किं विचारितैः।।"—is the maxim of

"तपसा मनसा वाग्भिः पूजिता बलिकर्मभिः।
तुष्यन्ति शमिना नित्यं देवताः किं विचारितैः।।"—वाला ग्रन्थ है

(1) वेणीसंहार (2) मुद्राराक्षस (3) मृच्छकटिक (4) प्रतिमा नाटकम्

133. चन्दनदास is a श्रेष्ठी in

चन्दनदास सेठ जिस नाटक में आता है, वह नाटक है

(1) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (2) वेणीसंहार (3) कर्णभार (4) मुद्राराक्षस

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

134. "क्रियासु युक्तैर्नृप चार चक्षुषो न वञ्चनीयाः प्रभवोऽनुजीविनः" is found in

"क्रियासु युक्तैर्नृप चार चक्षुषो न वञ्चनीयाः प्रभवोऽनुजीविनः" इस उक्ति वाला ग्रन्थ है

(1) किरातार्जुनीयम् (2) शिशुपालवधम् (3) विक्रमांकदेवचरितम् (4) रघुवंशम्

135. "सकृद्वृत्तिस्तु धर्मस्य प्रकृताप्रकृतात्मनाम्
सैव क्रियासु बह्वीषु कारकस्येति दीपकम्" is read in

"सकृद्वृत्तिस्तु धर्मस्य प्रकृताप्रकृतात्मनाम्
सैव क्रियासु बह्वीषु कारकस्येति दीपकम्" को उद्भावित करने वाला ग्रन्थ है

(1) रस गंगाधर (2) साहित्य दर्पण (3) काव्यादर्श (4) काव्यप्रकाश

136. Here in अपमनुप्रावर्षत्, the aphorism applied is

अपमनुप्रावर्षत् में प्रयुक्त होने वाला सूत्र है

(1) साधकतमं करणम्
(2) कर्मप्रवचनीययुक्ते द्वितीया
(3) अधिशीङ्स्थासां कर्म
(4) उपान्वध्याङ्वसः

137. The Suffix in कुम्भकारः is

कुम्भकारः में प्रयुक्त प्रत्यय है

(1) अण् (2) घञ् (3) ण्यत् (4) ण्यम्

138. The author of काशिकावृत्ति is

काशिकावृत्ति के रचयिता हैं

(1) पाणिनि (2) पतञ्जलि (3) वामन जयादित्य (4) [illegible]

collegedunia
India's largest Student Review Platform

139. इ इन्द्रः is an example of

इ इन्द्रः में सन्धि है

(1) दीर्घ (2) प्रकृतिभाव (3) विसर्गसन्धि (4) गुणसन्धि

140. What is the articulating place of 'इ'?

'इ' का उच्चारणस्थान है

(1) कण्ठ (2) ओष्ठ (3) तालु (4) मूर्धा

141. From which articulating organ the 'क' is pronounced?

'क' का उच्चारणस्थान है

(1) कण्ठ (2) तालु (3) दन्त (4) मूर्धा

142. "रुच्यर्थानां प्रियमाणः" applies for

"रुच्यर्थानां प्रियमाणः" जिस विभक्ति का विधान करता है, वह है

(1) तृतीया (करण) (2) द्वितीया (कर्म) (3) चतुर्थी (सम्प्रदान) (4) सम्बन्ध

143. "भुवः प्रभवः" furnishes the case

"भुवः प्रभवः" जिस विभक्ति का विधान करता है, वह है

(1) तृतीया (2) पञ्चमी (3) चतुर्थी (4) षष्ठी

collegedunia
India's largest Student Review Platform

144. How many main aphoriams are supposed to be derived from Maheshwar?

माहेश्वर सूत्र कितने हैं?

(1) 3995 (2) 14 (3) 1100 (4) 2250

145. The Suffix in the word अजा is

अजा शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय का नाम है

(1) चाप् (2) टाप् (3) डाप् (4) अङ्

146. What is the Suffix in नर्तकी ?

नर्तकी में प्रयुक्त प्रत्यय है

(1) ङीष् (2) ङीन् (3) ङीप् (4) णिनि

147. Who is the author of *An Introduction to Comparative Philosophy* ?

An Introduction to Comparative Philosophy के लेखक हैं

(1) पी० डी० गुणे (P. D. Gune) (2) जेस्पर्सन (Jesperson)

(3) ब्लूमफील्ड (Bloomfield) (4) भोलानाथ तिवारी (Bholanath Tiwari)

148. The author of "भारतीय भाषाचिन्तन" is

"भारतीय भाषाचिन्तन" के रचयिता हैं

(1) डॉ० भोलानाथ तिवारी (2) विद्यानिवास मिश्र

(3) पं० रामप्रसाद त्रिपाठी (4) रामविलास शर्मा

collegedunia
India's largest Student Review Platform

149. What is the compound (समास) in राजपुरुषः ?
राजपुरुषः में कौन-सा समास है?

(1) तत्पुरुष (2) अव्ययीभाव (3) द्वन्द्व (4) द्विगु

150. "अनुविद्धमिवज्ञानं सर्वं शब्देन भासते" is found in
"अनुविद्धमिवज्ञानं सर्वं शब्देन भासते" जिसमें है, वह है

(1) महाभाष्य (2) काशिकावृत्ति (3) वाक्यपदीय (4) रूपचन्द्रिका

* * *

collegedunia
India's largest Student Review Platform

collegedunia
India's largest Student Review Platform

अभ्यर्थियों के लिए निर्देश

(इस पुस्तिका के प्रथम आवरण-पृष्ठ पर तथा उत्तर-पत्र के दोनों पृष्ठों पर केवल नीली या काली बाल-प्वाइंट पेन से ही लि

1. प्रश्न पुस्तिका मिलने के 10 मिनट के अन्दर ही देख लें कि प्रश्नपत्र में सभी पृष्ठ मौजूद हैं और कोई ऽ छूटा नहीं है। पुस्तिका दोषयुक्त पाये जाने पर इसकी सूचना तत्काल कक्ष-निरीक्षक को देकर सम्पूर्ण प्रश्नपत्र दूसरी पुस्तिका प्राप्त कर लें।

2. परीक्षा भवन में *लिफाफा रहित प्रवेश-पत्र के अतिरिक्त,* लिखा या सादा कोई भी खुला कागज साथ में न लायें।

3. उत्तर-पत्र अलग से दिया गया है। *इसे न तो मोड़ें और न ही विकृत करें। दूसरा उत्तर-पत्र नहीं दिया जायेगा, केवल उत पत्र का ही मूल्यांकन किया जायेगा।*

4. अपना *अनुक्रमांक तथा उत्तर-पत्र का क्रमांक प्रथम आवरण-पृष्ठ* पर पेन से निर्धारित स्थान पर लिखें।

5. उत्तर-पत्र के प्रथम पृष्ठ पर पेन से अपना अनुक्रमांक निर्धारित स्थान पर लिखें तथा नीचे दिये वृत्तों को गाढ़ा कर दे जहाँ-जहाँ आवश्यक हो वहाँ प्रश्न-पुस्तिका का क्रमांक तथा सेट का नम्बर उचित स्थानों पर लिखें।

6. ओ० एम० आर० पत्र पर अनुक्रमांक संख्या, प्रश्न-पुस्तिका संख्या व सेट संख्या (यदि कोई हो) तथा प्रश्न-पुस्तिका प अनुक्रमांक सं० और ओ० एम० आर० पत्र सं० की प्रविष्टियों में उपरिलेखन की अनुमति नहीं है।

7. उपर्युक्त प्रविष्टियों में कोई भी परिवर्तन कक्ष निरीक्षक द्वारा प्रमाणित होना चाहिये अन्यथा यह एक अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।

8. प्रश्न-पुस्तिका में प्रत्येक प्रश्न के चार वैकल्पिक उत्तर दिये गये है। *प्रत्येक प्रश्न के वैकल्पिक उत्तर के लिये आपको उत्तर-पत्र की सम्बन्धित पंक्ति के सामने दिये गये वृत्त को उत्तर-पत्र के प्रथम पृष्ठ पर दिये गये निर्देशों के अनुसार पेन से गाढ़ा करना है।*

9. प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिये केवल एक ही वृत्त को गाढ़ा करें। एक से अधिक वृत्तों को गाढ़ा करने पर अथवा एक वृत्त को अपूर्ण भरने पर वह उत्तर गलत माना जायेगा।

10. ध्यान दें कि एक बार स्याही द्वारा अंकित उत्तर बदला नहीं जा सकता है। यदि आप किसी प्रश्न का *उत्तर नहीं देना चाहते हैं,* तो सम्बन्धित पंक्ति के सामने दिये गये सभी वृत्तों को खाली छोड़ दें। ऐसे प्रश्नों पर शून्य अंक दिये जायेंगे।

11. रफ़ कार्य के लिये प्रश्न-पुस्तिका के मुखपृष्ठ के अन्दर वाले पृष्ठ तथा अंतिम पृष्ठ का प्रयोग करें।

12. परीक्षा के उपरान्त केवल *ओ०एम०आर० उत्तर-पत्र* परीक्षा भवन में जमा कर दें।

13. परीक्षा समाप्त होने से पहले परीक्षा भवन से बाहर जाने की अनुमति नहीं होगी।

14. यदि कोई अभ्यर्थी परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग करता है, तो वह विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित दंड का/की, भागी होगा/होगी।

collegedunia
India's largest Student Review Platform